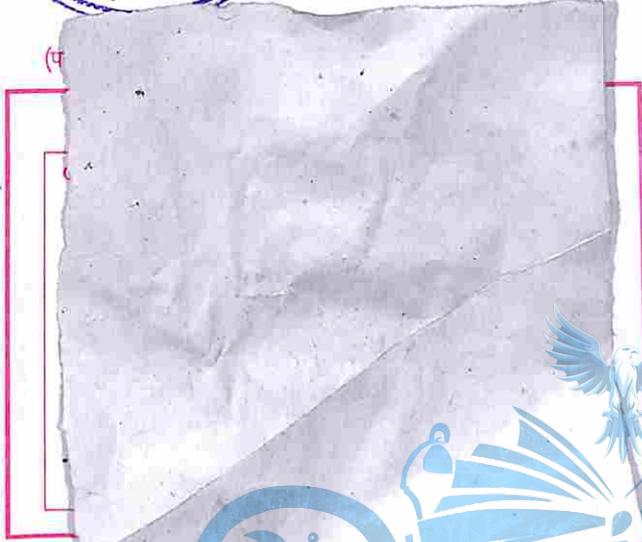




क्रम संख्या

2849574

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर  
उच्च माध्यमिक परीक्षा



नोट :- प्रश्नवार उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम - हिन्दी  अंग्रेजी   
विषय इतिहास  
परीक्षा का दिन सोमवार  
दिनांक 11-04-2022

नोट :- परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

- परीक्षक हेतु निर्देश :- (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।  
(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।  
(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	12	19	3
2	6	20	2
3	12	21	4
4	2	22	3 ¾
5	2	23	4
6	2	24	1
7	2	25	1
8	2	26	1
9	2	27	1
10	2	28	1
11	2	29	1
12	2	30	1
13	2	31	1
14	2	योग	79 ½
15	2	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	2	अंकों में	शब्दों में
17	3	80	अस्सी
18	2 ¾		

परीक्षक के हस्ताक्षर  संकेतांक 00403

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. ईको मैपलियो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 168/2021



### परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द-सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंसा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न-पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न-पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
  - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
  - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पृष्ठ होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक र क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
  - (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।
  - (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस-पास कोई अवैध सामग्री नहीं होना चाहिये, इसकी जांच कर लें।
  - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक के 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ का उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें, तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न-पत्र हिन्दी-अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार का त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंकप्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(खण्ड - अ)

(4.)

(i) (अ) चन्द्रगुप्त

1111

1111

1111

1111

(ii) (स) हर्षपुर

= (12)

BSER-108/2021

(iii) (द) वाकाटक

(iv) (अ) अल-विरुनी

(v) (द) पातलीपुत्र

(vi) (द) क्षावरी



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(vii) स) मुहम्मद ।

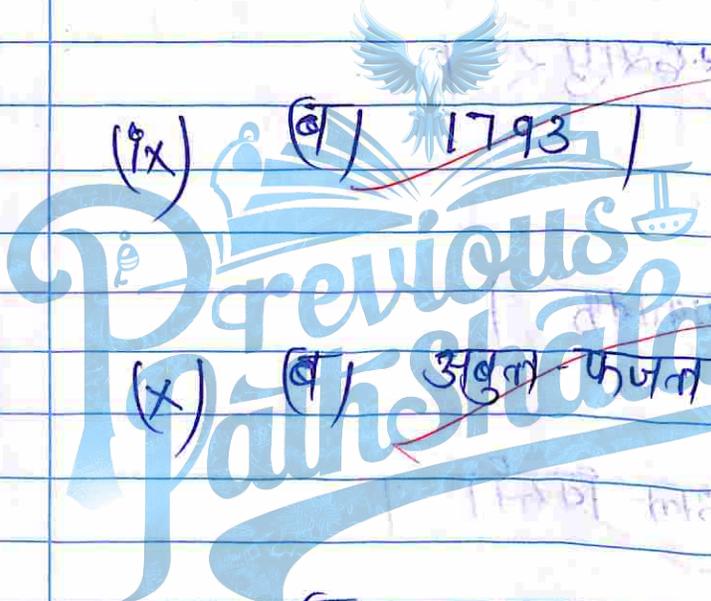
(viii) ङ) बख्तुल्लाह ।

(ix) ब) 1793 ।

(x) ब) अबुल फजल ।

(xi) ब) 1565 ।

(xii) स) रत्नाबा मुहम्मद ।





परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(2) रिक्त स्थान पूर्ति -

1/1/1

1/1/1

= (6)

(i) द्वितीय

(ii)

गोतामजे

(iii)

नवाव सिराजुद्दौला

(iv)

सन् 1872

(v)

अमेरिका

(vi)

उपास



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(3)	
1+1+1	(i)	सन् 1942 में ।
1+1+1	(ii)	क्योंकि उन दिनों नमक उत्पादन पर सरकार का एकाधिकार था तथा यह भारतीयों को सुलभ गेमिथोग से वंचित करता था ।
2+12	(iii)	6 गोतवे ऑफ इंडिया का निर्माण राजा जॉन पेयम तथा उनकी रानी मेरी के स्वागत के लिए बनवाया गया ।
	(iv)	सन् 1856 ।
	(v)	'अंडाल' एक सनवार (विष्णु) स्त्री भक्त थी । ईसा में अपनी भक्ति भावना व्यक्त करती थी ।



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(vi) चौबह बार ।

(vii) दिल्ली को ।

(viii) दाराशिकोह ।

(ix) मनुस्मृति को संकलन लगभग दूसरी शताब्दी  
शताब्दि ई.पूव से दूसरी शताब्दि ई. के बीच  
किया गया ।

(x) मनुस्मृति के अनुसार स्त्रियाँ पेटक संमति  
में अपन हिस्से का भाग ले सकती थी ।

(xi) गोत्र से बाहर विवाह करने को बहिर्विवाह  
कहते हैं ।



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(xii) सन् 1924 में। (iv)

(खण्ड - ब)

141  
②  
(4) अंग्रेजों द्वारा भारत में सविजयिक शक्तों में नवशास्त्रीय शैली का उपयोग इसलिए किया था क्योंकि यह शैली पश्चिम रोम की शक्ति निर्माण शैली से चिकनी थी। इसके अलावा अंग्रेजों को लगता था कि यूरोपीय शैली ही दिखावे वाली इमारतों के शैली, अधिकार व सत्ता की उर्वरक होगी।

141  
②  
(5) (i) 1857 के विद्रोह में विद्रोहियों द्वारा जारी घोषणाओं में जाति व धर्म के भेद को अवरुद्ध करना कि बिना सभी का ही अधिकार किया गया।

(11) 1857 के विद्रोह को एक ऐसे विद्रोह के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा था जिसमें हिन्दू व मुस्लिमानों का नफा-नुकसान बराबर था।

(12) (i) सैनिकों को एनफील्ड राइफल चलाने हेतु सिखाया गया, जिसके कारखाने को चिकनाई के बारे में छद्म गप्पा कि इसमें गाय व सूअर की चर्बी मिलायी गयी है।

(ii) अंग्रेज अफसर सैनिकों को भावनाओं को जरा भी छेड़ नहीं सकते थे। गाली-गलौज, शारीरिक हिंसा सामान्य बात थी।

(13) रैपटवाडी बंदोबस्त व्यवस्था:-

1820 में बर्बड़-दुकान में एक नयी राजस्व उगाती लागू की गई जिससे रैपटवाडी बंदोबस्त व्यवस्था छटा गया। इसमें राजस्व को राशि को राशि सीधे रैपटवा (किया) के साथ तप हो गया जबकि इस्तरारी बंदोबस्त व्यवस्था में राजस्व को राशि जमींदारों के साथ तप हो गई थी। इस्तरारी बंदोबस्त व्यवस्था 6 बंगाल में लागू की गई।



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(8) संधाल विद्रोह का रण-

(i) संधाली ने यह देख लिया कि उन्होंने जिस भूमि पर खेती कर चुके किसानों को वहाँ से निकाली जा रही है।

(ii) संधाली को भूमि पर सरकार ने भारी कर लगा दिया गया था।

(iii) जमींदार भूमि क्षेत्र पर अपने नियंत्रण को ढाला कर रहे थे।

(9) विजयनगर साम्राज्य के प्रधानमंत्री रामराय ने बिजापुर के एक सुल्तान को दूसरे सुल्तान के विरुद्ध युद्ध के लिए मदद करने का प्रयास किया किंतु यह सुल्तान एक हो गया। सन् 1565 में विजयनगर को वलिहोटा के युद्ध में अहमदनगर, गोल्कंडा तथा बिजापुर के संपुक्त सेनाओं से डरते डरते हार का सामना करना पड़ा। इस प्रकार यह गति जोखिम भरी थी।

(10) विजयनगर साम्राज्य में तुर्ग में प्रवेश हेतु किलेबंद प्रवेश द्वार बन हुए थे। इन किलेबंद प्रवेशद्वार पर बनी महाराव तथा गुंबद तुर्कों द्वारा प्रवर्तित स्थापत्य कला के तत्व माने जाते हैं। कला इतिहासकारों ने इसे इंडो-इस्लामिक या इंडो सारसेनिक स्थापत्य कला नाम दिया था। ये तुर्की सुल्तानों द्वारा प्रवर्तित स्थापत्य से प्रभावित थे।

(11) सिंधु की संत संघम और साक्षी का जीवन व्यतीत करते थे तथा सता से दूर रहने का उपाय करते थे। किंतु यदि शासक बिना दान या भेंट देना तो सिंधु को उस स्वीकार कर लेते। उनका संग्रह न करने उन्हें भोजन, कपड़े, आवास व असुखानों पर पूर्ण खर्च कर देते। सिंधु की संत अपनी धर्मनिष्ठा, शान्तिप्रियता तथा कर्मकारणपूर्वी क्षमियों के कारण लौकप्रिय थे।

(12) दूध बढ़ता भारतीय डाक प्रणाली को देखकर स्थापित हो गया। क्योंकि डाक प्रणाली की अपेक्षितता से व्यापारियों के लिए वेपल उधार भेजना व दूधमा भेजना

परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंकप्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

दो संभव वही हुआ अर्थात् अल्पसुमा पर  
माल सेना भी संभव हो गया उसमें ही उकार की  
डाक डालनी का वही किया - (1) अश्व डाक  
व्यवस्था (उलुक) (2) पैल्ल डाक व्यवस्था (दावा)

141  
-2  
ESSE-168/2021

(13) इब्ल बतला मध्य एशिया के रास्ते 1333  
में स्थल मार्ग से सिंध पहुंचा। उस  
समय दिल्ली का सुल्तान मुहम्मद बि  
तुगलक था। सुल्तान उसके विद्वानता से  
बड़ा प्रभावित हुआ तथा उसे दिल्ली का  
काजी या न्यायधीश नियुक्त कर दिया। वह  
इस पद पर वर्षों तक रहा। 1342 में उसे सुल्तान  
के दूत के रूप में चीन जाने का आदेश दिया  
गया।

141  
-2

(14) (i) विवाह के बाद स्त्रियाँ ही पिता  
के स्थान पर पति के गोत्र का माना  
जायेगा।

(ii) एक ही गोत्र के सदस्य आपस में  
विवाह संबंध नहीं रख सकते हैं।



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(15)

(i) इस काल में कुछ आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया होगा।

(ii) रोमन साम्राज्य के पतन पश्चात् दुखती व्यापार में हमी आई इससे उन राज्यों, साम्राज्यों व क्षेत्रों को सम्पन्नता पर उभावृष्टा जिन्हें दुखती व्यापार से लाभ होता था।

(iii) इस काल में नए नगरों व व्यापार के नये तरीके उत्पन्न हुआ। यिष्के उचलने में धे तथा कियी ने उनका सहाय नहीं किया।

(16) (i) बाल्ट साम्राज्यता चर्ट नामक पत्थर से बनाये जाते थे।

(ii) बाल्टों के निकले मापण्ड द्विआधारी (1, 2, 4, 8 - 16, 800 तक) होते थे जबकि ऊपरी मापण्ड द्विआधारी कालों का अनुसरण करते थे।

\* (खण्ड - स) \*

(17) अभिलेखों से जानकारियाँ प्राप्त करने की तकनीकें



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(i) कुर्मी - कुर्मी अक्षरों को हल्के रंग से उकीरी कर दिया जाता है जिससे उन्हें पढ़ पाना मुश्किल हो जाते हैं।

(ii) अभिलेख नष्ट भी हो जाते हैं जिससे अक्षर लुप्त हो जाते हैं।

(iii) अभिलेख सर्वोच्च है उन्हीं व्यक्तियों के विचारों को अभिलेखित करते हैं जो उन्हें बताने थे। इससे सामान्य लोगों के बारे में जानकारी नहीं मिलती है।

(iv) अभिलेखों से हमें एक जीवन पद्धति की जानकारी भी मिलती है।

(18) सिंधु घाटी सभ्यता के कुछ स्थापत्य की विशेषताएँ :-

सिंधु घाटी सभ्यता में मोलजोड़ों के निपला बाहर में आवासीय भवन मिलते हैं।

(i) \* स्नानाक्षर :-  
उत्प्रेरक धर का अपना टिले के फरी से बना हुआ स्नानाक्षर होता था।



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

इसकी जालियाँ हिवार छे माध्यम से गली से जालियों से जुडी होती थी।

(2) सीढियाँ :-

कुछ बरों में सीढियाँ मंजिल तक या छतों पर जाने हेतु सीढियाँ बनी हुयी थी। अधिकांश बरों में प्रकाश शायद मिला है।

(3) कुएं :-

कुछ बरों में कुएं भी बने हुए थे। कुएं जहाँ ऐसे कुओं में बनाए गए थे जिनमें बाहर से भी आया जा सकता था। मोहलजोड़ी में 700 कुएं मिले हैं। इनका उपयोग राहगीरों द्वारा किया जाता था।  
→ यह विशेषताएं आज भी पाये गिरी हैं।

(14) \* अथवा \*

विजयपुर साम्राज्य में कृषि क्षेत्रों को किलेबंद भू-भाग में रखने के कारण :-

(i) किलेबंद भू-भाग में कृषि क्षेत्रों को रखने का

4



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

मुख्य उद्देश्य प्रतिपक्ष को खाद्य सामग्री से वंचित कर सम्पन्न के लिए बाध्य हुआ था।

(ii) किलेबंद क्षेत्र में शत्रु सेना खाद्य सामग्री को वंचित नहीं पहुँचा सकती थी।

(iii) शत्रु सेना को घेराबंदी मालिनो था कमी-2 वर्षों तक चलती थी। इन विकृत परिस्थितियों से निपटने हेतु विजयनगर के शासकों ने किलेबंद भू-भाग के भीतर विशाल इन्नागार बनवाये।

(iv) किलेबंद कृषि क्षेत्र जंगली जानवरों से भी सुरक्षित था।

(20) \*अथवा\*

ऑपरेशनल सरकार निम्न (आर्यों) से शहरों के मानचित्र बनवाना अपयोगी समझा।

3

(i) ऑपरेशनल <sup>सरकार</sup> शासकों को मानना था कि शहरों को एकति व भू-दृश्य को



समझे हेतु मानचित्र अति आवश्यक है। इससे वह  
इलाके पर अधिक नियंत्रण स्थापित कर सकते थे।

(ii) मानचित्र से किसी क्षेत्र की सीमाएँ, नदियाँ  
व पहाड़ियाँ आदि का पता लगता था। यह  
समस्त जानकारीयों द्वारा संबंधी योजनाओं  
के लिए आवश्यक थी।

(iii) मकानों की संख्या व बसों की स्थिति  
से इलाके की व्यवसायिक संभावनाओं का  
पता चलता था।

(iv) मानचित्र द्वारा संबंधी योजनाएँ बनाते समय  
महत्वपूर्ण जानकारीयों के स्रोत होते थे।

→ अतः इन सभी कारणों से औपनिवेशिक  
शासन सरकार के लिए शहरों का मानचित्र तैयार  
करवाना उपयोगी था।

(खण्ड-६)

(21) \* कर्नाटक की वीरशैव परम्परा \*

बारहवीं शताब्दि में कर्नाटक में बासवन्ना नामक



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या
----------------------------	---------------

परीक्षार्थी उत्तर

एक ब्राह्मण के नेतृत्व में एक आंदोलन के माध्यम से बसंत ऋतु में शिव मठ शिव मठ के समर्थक तथा चालुक्य-राजा के दरबार में मंत्री थे।

बासक के अनुसार वीरशैव शिव के वीर व लिंगायत उद्धार।

शैव परम्परा के धार्मिक सिद्धांत

(i) लिंगायतों ने जातिभेद तथा उच्च समुदायों के द्वेष को दूर करने के लिए बाधणीय अवधारणा की आलोचना की।

(ii) यह शक्ति संस्कार का पालन नहीं करते थे तथा विधिपूर्वक अपने मंत्रों को दफनाते थे।

(iii) लिंगायतों के अनुसार मृत्यु पश्चात् भक्त शिव में लिप्त हो जायेंगे तथा पुनः धरती पर लौटकर नहीं आयेंगे।

(iv) लिंगायतों ने पुनर्जन्म पर उच्च विचार को गायत।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(v) इन्होंने विधवा पुनर्विवाह तथा सती प्रथा का पर रोक पर बल दिया। इससे निम्न समुदायों को धार-वर्गी वाली ब्राह्मणीय व्यवस्था में स्थान देना मिला परन्तु वे लिंगापतों के अनुयायी हो गये।

(vi) लिंगापत समुदाय के पुरुष वाम स्कंध पर कोंछे के पिलारे में एक काष्ठ लिंग धारण करते थे। शिव का प्रतिष्ठ होने के कारण इन्हें पवित्र समझा जाता था तथा इसकी पूजा की जाती थी।

(vii) लिंगापतों ने यज्ञों व अनुष्ठानों की निषेधकता पर भी आक्षेप किया। तथा ईश्वर की उपासना पर बल दिया।

(viii) लिंगापतों ने निम्न वर्गों को भी समुदाय में स्थान प्रदान किया।

(22) \*अथवा\*

\*राष्ट्रीय आन्दोलन में नमक-सत्याग्रह का योगदान\*

(i) अतिसो नमक के उत्पादन तथा बेचने पर

(नमक सत्याग्रह के कारण\*)

33



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

सरकार का एकाधिकार था।

(ii) नमक का सभी के घरों में समुक्त  
से उपयोग होता था किंतु उन्हे टुकड़ों  
से उकी धम पर नमक खरीदना पड़ता  
था।

(iii) नमक पर सरकार का एकाधिकार  
बहुत ही अनाकण्डिप था। यह  
भारतीयों को सुलभ गणमोक्ष से वंचित  
करता था।

\* दण्डि-यात्रा

गांधीजी नमक कानून को सबसे धृष्ट  
कानून मानते थे।

→ अतः वे सभी बालों को ध्यान में  
रखते हुए गांधीजी ने 12 मार्च 1930  
को साबरमती आश्रम से अपने 78

सदस्यों के साथ दण्डि नामक स्वयं के  
लिए कूच किया। उन्हे 100 मील चलकर

1930 को गांधीजी ने पूरा किया। 6 अप्रैल,  
नमक-कानून) तोड़ा और नमक बनाकर  
शुरू हो गया।

\* नमक - सत्याग्रह का महत्व



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(i) नमक-सत्याग्रह में लाखों देशवासियों ने भाग लिया तथा देशभर में नमक-कानून का उल्लंघन होने लगा।

(ii) इस आंदोलन के सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि इसमें महिलाओं ने बल्लूकर भाग लिया। उन्होंने विदेशी वस्त्रों तथा शराब की दुकानों पर धरना दिया और अपने आप को गिरफ्तारी के लिए पेश किया। उदा. कमलादेवी चटोपाध्याय।

(iii) नमक-सत्याग्रह के साथ ही 8 सविनय अवज्ञा आंदोलन प्रारंभ हो गया जिससे देशभर में यह आंदोलन तेजता से फैला गया।

(iv) नमक-सत्याग्रह ने गांधीजी को दुनिया भर में प्रसिद्ध कर दिया।

(v) इससे अंग्रेजों को यह अहसास हो गया कि अब उनका राज अधिक उधे टिकेगा तथा उन्हें भारतीयों को भी सत्ता में हिस्सा देना पड़ेगा।

(vi) नमक-सत्याग्रह ने भारतीयों में सहिष्णुता की भावना जागृत करने में अहम भूमिका अदा की तथा देशभर में अंग्रेजी शासन



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

की नींव दिला गयी।

इस प्रकार नमक-सत्याग्रह ने  
देश में राष्ट्रीय-आंदोलन हेतु उत्कृष्ट -  
भूमि तय की तथा देशवासियों में  
स्वाधीनता का जोश भर दिया।

(23) \* रेखा-मानचित्र में देखें !

समाप्त

नामांक

Roll No.

2 9 1 4 6 6 2



SS-13-Hist.

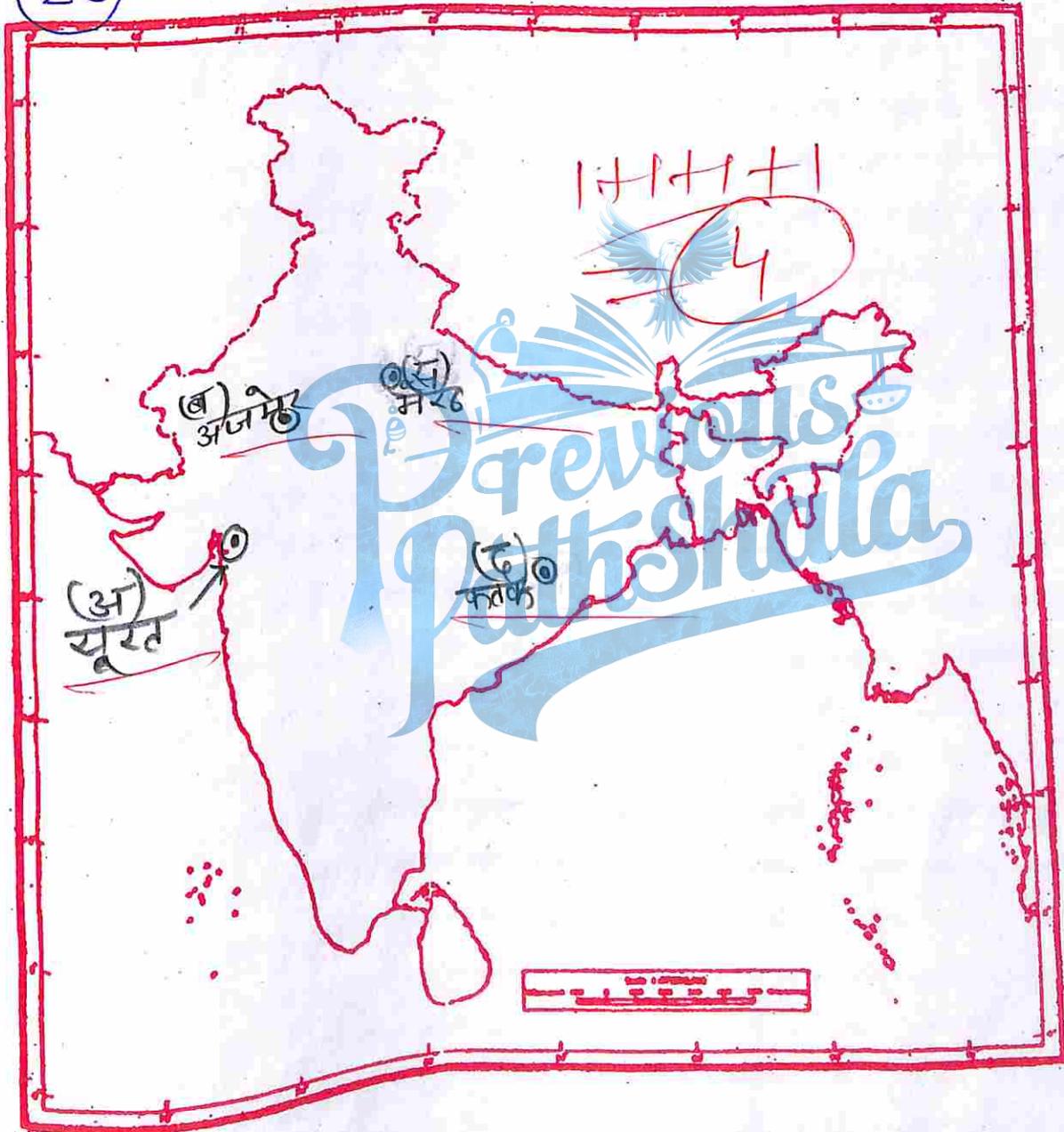
इतिहास (HISTORY)

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2022



Outline Map of INDIA

ક્ર. (23)





परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
----------------------------	---------------	-------------------

की जीव दिला गयी।

इस प्रकार नरक-सत्याग्रह ने देश में राष्ट्रिय-आंदोलन हेतु उत्कृष्ट - भूमि तय की तथा शिवायियों में स्वाधीनता का जोश भर दिया।

(23) \* रेखा-मानचित्र में देखें।

समाप्त

Cut Here

नामांक	Roll No.
2914662	



SS-13-Hist.

### इतिहास (HISTORY)

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2022



23

### Outline Map of INDIA

